[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1337 **D** आपका अनुक्रमांक .....

Unique Paper Code : 205502

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi**

Name of the Paper : Paper XV – Aadhunik Kavita – 2
प्रश्नपत्र XV – आधुनिक कविता – 2

Semester : V

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (7,8)

(क) उन्होंने
घर बनाये
और आगे बढ़ गये
जहाँ वे
और घर बनायेंगे।
हमने
वे घर बसाये
और उन्हीं में जम गये:
वहीं नस्ल बढ़ायेंगे
और मर जायेंगे।

अथवा

अंत हर निर्माण का क्या नाश में है;
सोचने वाला सदा
सिद्धार्थ की ही नियति का है ?
छोड़ना ही चरम परिणति क्या

P.T.O.

हमारे जोड़ने की ?
और परिणति शून्य ही क्या
है नहीं हर छोड़ने की ?
शून्य से उत्पन्न यह संसार
सार्थक है सदा क्या शून्यता में ही समाकर ?
शून्यता से अलग
या अतिरिक्त जीवन-मय दिशा
क्या नहीं कोई कहीं इसकी ?

अथवा

भूरे मटमैले हैं पर्णहीन सपने
जैसे हैं, जो कुछ हैं, हैं तो ये अपने
इन पर रस गन्ध लहलहाना
मालिनी वसंती
सरसों की चूनर औ' पाटल के लहँगे
तेरे परिधान सभी ऋतुओं से मँहगे
उत्सव है, नृत्य गीत गाना
मालिनी वसंती।

(ख) राजा से हाथी-घोड़े
रानी से सोने के बाल,
मुझको क्या-क्या नहीं मिला
मन से सब कुछ रखा संभाल।
चन्दा से हिरनों का रथ
सूरज से रेशमी लगाम,
पूरब से उड़नखटोले
पश्चिम से परियां गुमनाम।
रातों से चांदी की नाव
दिन से मछुए वाला जाल।

अथवा

मैं पूछ रहा हूँ इसीलिए यह बार-बार
वह दर्द कहाँ मर गया रोज़ जो होता था
जिससे वह एकाकी भी तड़पा करता था
वह बल, कविता ने पाठक से क्यों छीन लिया ?

यह दृष्टि सुंदरापे की कैसे बनी कि हर वह
चीज़ जो ख़बर देती है हो गई ग़ैर ?
क्यों कलाकार को नहीं दिखाई देती अब
गंदगी, ग़रीबी और गुलामी से पैदा ?

अथवा

राँपी से उठी हुई आँखों ने मुझे
क्षण भर टटोला
और फिर
जैसे पतियाए हुए स्वर में
वह हँसते हुए बोला-
बाबूजी ! सच कहूँ-मेरी निगाह में
न कोई छोटा है
न कोई बड़ा है
मेरे लिए, हर आदमी एक जोड़ी जूता है
जो मेरे सामने
मरम्मत के लिए खड़ा है।

2. किन्हीं **तीन** का उत्तर दीजिए :- (15×3)

(क) 'कितनी नावों में कितनी बार' कविता के आधार पर अज्ञेय की प्रेमानुभूति उद्धारित कीजिए।

अथवा

नागार्जुन के काव्य में अभिव्यक्त प्रगतिशीलता पर विचार कीजिए।

(ख) 'वीरेंद्र मिश्र नवगीत परंपरा के प्रतिनिधि गीतकार हैं' - इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

पाठ्यक्रम में संकलित कविताओं के आधार पर रघुवीर सहाय के स्त्री संबंधी सरोकार स्पष्ट कीजिए।

(ग) केदारनाथ सिंह की कविता 'पानी की प्रार्थना' की मूल संवेदना लिखिए।

अथवा

दुष्यंत कुमार हिन्दी ग़ज़ल परंपरा के प्रमुख हस्ताक्षर हैं - सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (7,8)

(क) अज्ञेय ने 'कितनी नावों में कितनी बार' कविता में कौन से नवीन प्रतीक और उपमान गढ़े हैं ? बताइए।

अथवा

'कालजयी' के निर्वाण सर्ग के आधार पर भवानी प्रसाद मिश्र की काव्य-भाषा पर विचार कीजिए।

अथवा

'पगडंडी' गीत के शिल्पगत सौन्दर्य का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के आधार पर रघुवीर सहाय की गद्यमयी भाषा की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

'अकाल और उसके बाद' कविता के अभिव्यंजना शिल्प का उद्घाटन कीजिए।

अथवा

धूमिल की 'मोचीराम' कविता के बिम्ब-विधान पर विचार कीजिए।